हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्षः 2 | अंकः 13 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार,09 सितंबर से 15 सितंबर 2022

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ का 96 साल की उम्र में निधन

ब्रिटेन : ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का गुरुवार को 96 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। एलिजाबेथ द्वितीय ब्रिटेन पर सबसे लंबे समय तक राज करने वाली शाही हस्ती हैं। उन्होंने 70 साल तक ब्रिटेन पर शासन किया। बकिंघम पैलेस ने एक बयान जारी कर कहा,ह्लआज दोपहर बाल्मोरल में महारानी का निधन हो गया। किंग और क्वीन कंसोर्ट आज शाम बाल्मोरल में रहेंगे। वे कल लंदन लौटेंगे। महारानी की मौत के बाद उनके सबसे बड़े बेटे प्रिंस चार्ल्स अब ब्रिटेन के किंग बन गए हैं। एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद उनके सबसे बड़े बेटे प्रिंस चार्ल्स ब्रिटेन के नए महाराज और राष्ट्रमंडल

देशों के नए राष्ट्राध्यक्ष के रूप में महारानी के अंतिम संस्कार और श्रद्धांजलि कार्यक्रम की अगुवाई करेंगे। बकिंघम पैलेस ने गुरुवार को बताया कि उनके बेटे और उत्तराधिकारी प्रिंस चार्ल्स, उनकी पत्नी कैमिला और पोते प्रिंस विलियम बाल्मोरल पहुंच गए थे। महारानी की बेटी, राजकुमारी ऐनी, पहले से ही स्कॉटिश महल में उनके साथ हैं। महारानी के अन्य बेटे प्रिंस एंड्रयू और प्रिंस एडवर्ड भी कुछ समय पहले महारानी के पास पहुंच चुके थे। प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन जो एक चैरिटी कार्यक्रम के लिए ब्रिटेन में थे, वे भी महारानी से मिलने के लिए रवाना हो गए थे। बता दें कि खराब स्वास्थ्य के चलते महारानी ने अपनी ह्लप्रिवी काउंसिलह्लकी मीटिंग रद्द कर दी थी। महारानी को आराम करने के लिए कहा गया था लेकिन उनकी तबीयत बिगड़ती ही चली गई।

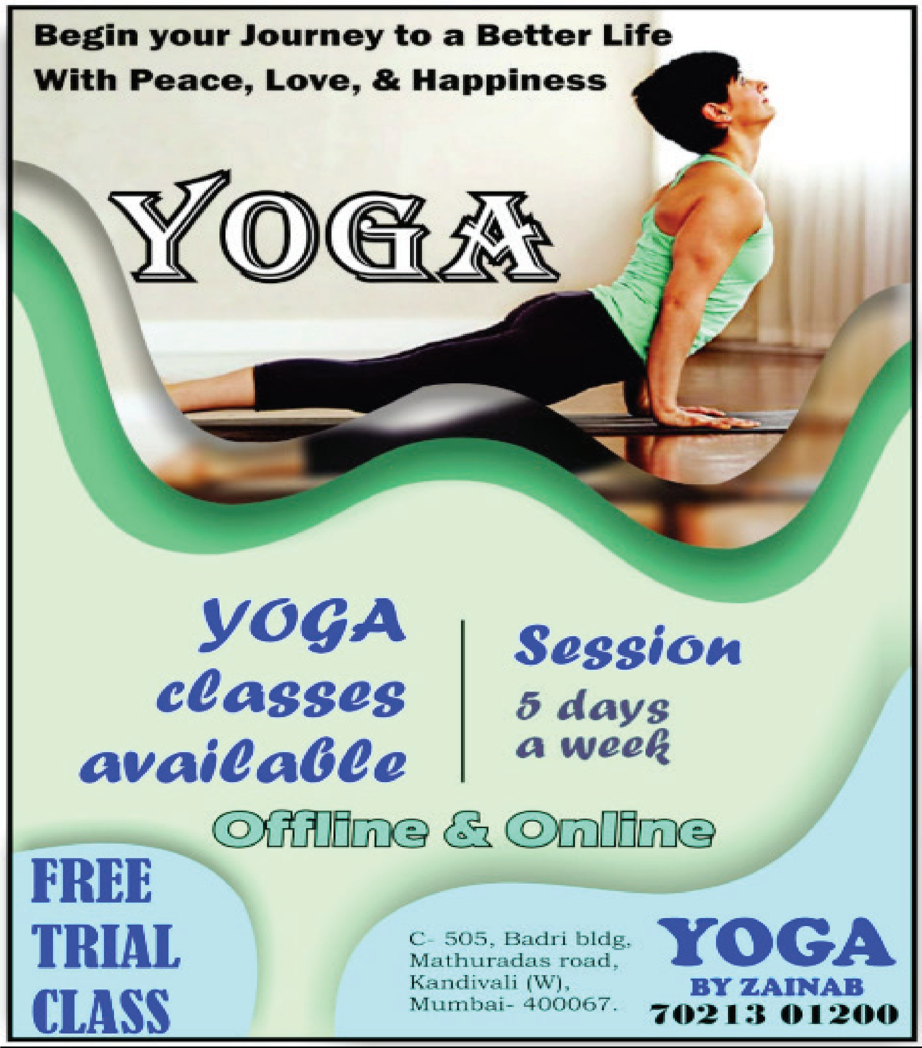

CM एकनाथ शिंदे के आवास में एंट्री पाने की कोशिश करने के आरोप

में 32 वर्षीय व्यक्ति को मुंबई पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई। गृह मंत्रालय (एमएचए) के एक सुरक्षा अधिकारी का रूप धारण करने और सीएम और डिप्टी सीएम के आवासों में प्रवेश पाने की कोशिश करने के आरोप में एक 32 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह वाकया गृह मंत्री अमित शाह की दो दिवसीय मुंबई यात्रा के दौरान हुआ। मालाबार हिल पुलिस ने प्रतिरूपण के आरोप में आरोपी हेमंत पवार को गिरफ्तार किया है।

घटना का खुलासा रविवार को हुआ जब शाह के दौरे के दौरान नीले रंग की ब्लेजर और सफेद शर्ट में एक अज्ञात व्यक्ति सीएम और डीसीएम के बंगले के पास घूमता पाया गया।उन्होंने गले में रिबन पहना हुआ था जिस पर गृह मंत्रालय लिखा हुआ था। यहां तक कि बंदोबस्त ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों ने भी उसकी हरकतों को संदिग्ध पाया और उससे पूछताछ की तो उसने दावा किया कि वह गृह मंत्रालय से है और शाह की सुरक्षा के लिए शहर आया था।जब गृह मंत्री की सुरक्षा के दौरान वहां मौजूद केंद्रीय रिजर्व सुरक्षा बल के अधिकारियों ने संदेह जताया तो उन्हें हिरासत में ले लिया गया, फिर मुंबई पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए उठाया, जिसके दौरान उन्हें गृह मंत्रालय का एक नीला रिबन मिला।जैसे ही यह स्पष्ट हो गया कि पवार सुरक्षा अधिकारी नहीं थे, उन्हें हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ के बाद पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 170 और 171 के तहत मामला दर्ज किया। बुधवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि पवार भारतीय जनता पार्टी (इखढ) के कार्यकर्ता हैं, हालांकि वे इस बात का संतोषजनक जवाब नहीं दे सके कि उन्होंने गृह मंत्रालय का फीता क्यों पहना था। पुलिस को संदेह है कि आरोपी शायद मंत्री के बंगले में घुसने की कोशिश कर रहे थे और संभवतः उनके साथ तस्वीरें क्लिक कर रहे थे, जिसका इस्तेमाल पवार लोकप्रियता हासिल करने के लिए या आर्थिक लाभ के लिए कर सकता था। रविवार की रात दो दिवसीय दौरे पर शहर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री सोमवार को सुबह लालबाग के राजा का आशीर्वाद लिया और फिर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र के सरकारी आवास वर्षा और सागर में गए।

बाम्बे हाइकोर्ट ने स्कूलों में शौचालयों की खराब स्थिति पर महाराष्ट्र सरकार को लगाई फटकार,

मुंबई। बाम्बे हाइकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को राज्य के स्कूलों में शौचालयों की खराब स्थिति पर फटकार लगाई है। उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि पूरे राज्य के स्कूलों में शौचालयों की स्थिति बहुत खराब है। उन्होंने राज्य सरकार से पूछा कि क्या वह शक्तिहीन है या इस मुद्दे पर नीति बनाने के लिए किसी शुभ दिन की प्रतीक्षा कर रही है। जस्टिस प्रसन्ना वरले और जस्टिस शर्मिला देशमुख की खंडपीठ ने कहा कि वह इस दयनीय स्थिति से आहत हैं।अदालत कानून की दो छात्राओं निकिता गोर और वैष्णवी घोलवे द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा प्रभावी मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन को लागू नहीं करने पर चिंता जताई गई थी। इसके परिणामस्वरूप महिलाओं और विशेष रूप से किशोर लड़कियों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था।

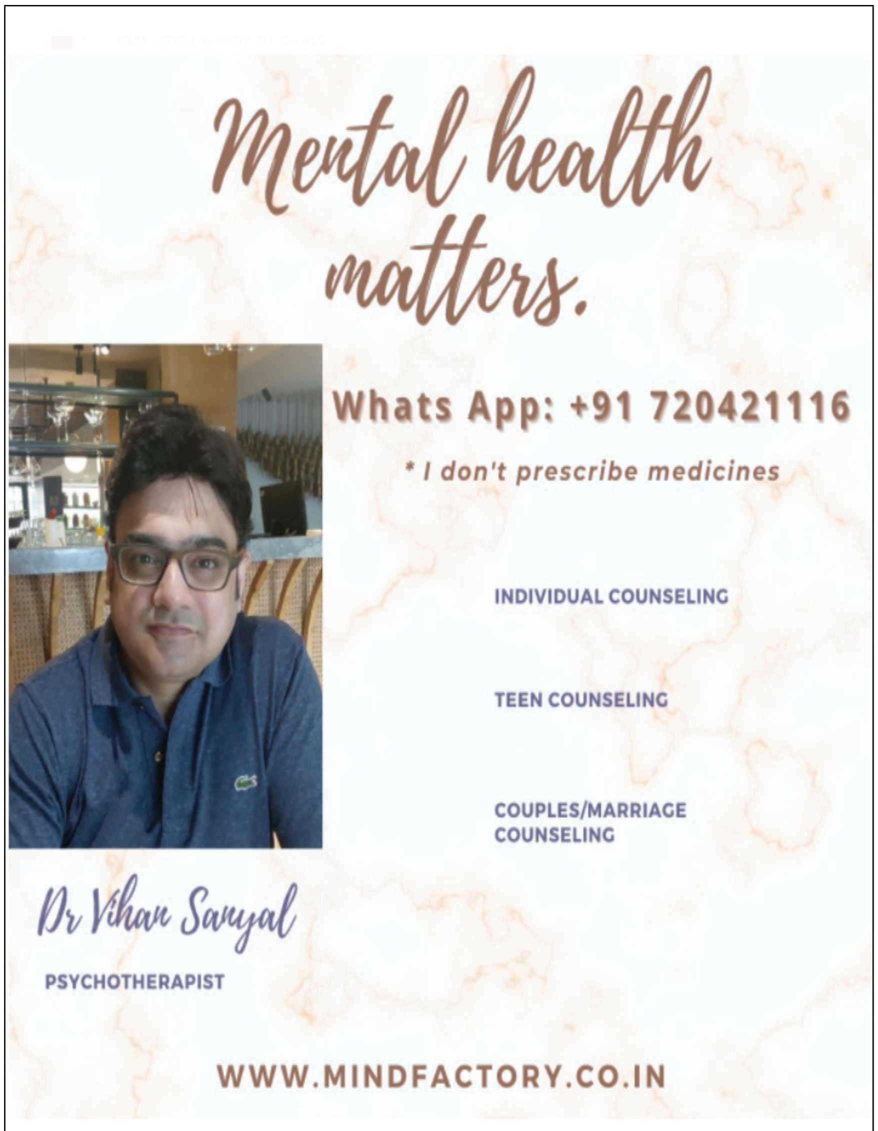

नवनीत राणा फिर चर्चा में, लव जिहाद को लेकर गुस्से में हुई लाल

थाने में काटा बवाल, कहा-तुम्हें हक किसने दिया

मुंबई । मुंबई के अमरावती लोकसभा क्षेत्र की सांसद नवनीत राणा एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। बुधवार को राजपाठे पुलिस स्टेशन में हिंदू संगठन के साथ पहुंची नवनीत राणा ने जमकर हंगामा किया। उनका आरोप है कि लव जिहाद के मामले की शिकायत के दौरान उन्होंने पुलिसकर्मी को फोन किया था। इस पर पुलिस कर्मी ने उनका फोन रिकॉर्ड कर लिया।

इसी बात से नाराज नवनीत राणा थाने पहुंची, जहां उनकी पुलिस निरीक्षक मनीष ठाकरे और डीसीपी के साथ जमकर बहस हुई। उन्होंने गुस्से में अफसरों से पूछा कि रिकॉर्डिंग का हक किसने दिया। उन्होंने

कहा कि लव जिहाद का मामला है। एक विशेष धर्म के लड़के ने लड़की को भगाया है। जब तक लड़की सुरक्षित वापस घर नहीं आ जाती तब तक वो पीछे हटने वाली नहीं हैं। नवनीत राणा ने कहा कि, पीड़ित माता-पिता मेरे पास शिकायत लेकर आए थे। उन्होंने बताया कि लड़की को अंधेरे में रखकर उसकी शादी की गई है। इसको लेकर जब पुलिस स्टेशन फोन किया तो पुलिस ने फोन रिकॉर्ड कर लिया। उन्होंने कहा कि पुलिस को मेरी कॉल रिकॉर्ड करने का अधिकार किसने दिया। वहीं पुलिस ने नवनीत राणा को बताया कि एक युवक को हिरासत में लिया गया है। जिससे पूछताछ जारी है।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों से पूछा कि क्या उनके साथ यह रवैया इसलिए अख्तियार किया जा रहा है। क्योंकि वह पिछड़े वर्ग से आती हैं? राणा काफी देर तक थाने में यह मांग करते हुए डटी रहीं कि जब तक अमरावती की पुलिस आयुक्त नहीं आ जातीं, तब तक यहां से नहीं जाऊंगी। बता दें कि महाराष्ट्र के अमरावती में इन दिनों लव जिहाद की कई घटनाएं हो चुकी हैं। पिछले एक सप्ताह में ही कथित तौर पर लव जिहाद के पांच मामले सामने आ चुके हैं। भाजपा ने अमरावती को लव जिहाद की राजधानी करार दे दिया है।नवनीत राणा का कहना है कि धर्म विशेष के लड़के हिंदू लड़कियों को अपने प्रेमजाल में फंसाकर उनसे शादी करते हैं। फिर बच्चे पैदाकर उन्हें छोड़ देते हैं। इसीलिए वह इस नए मामले को लेकर पुलिस थाने पहुंची थीं।

नवनीत राणा कुछ माह पहले महाराष्ट्र में उद्धव सरकार के दौरान उद्धव ठाकरे के निजी निवास के सामने हनुमान चालीसा पढ़ने की घोषणा करके चर्चा में आ चुकी हैं।

उद्धव ठाकरे को जेलर के कक्ष में संजय राउत से मिलने की अनुमति नहीं

पात्रा चाल घोटाले में आर्थर रोड जेल में हैं शिवसेना सांसद

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को जेल में बंद शिवसेना सांसद संजय राउत से जेलर के कक्ष में मिलने की अनुमति जेल अधिकारियों ने नहीं दी। उन्हें कहा गया है कि वे अदालत से अनुमति लेकर आएं। उसके बाद भी उन्हें सामान्य कैदियों की भांति जाली के पीछे से ही मुलाकात की अनुमति दी जाएगी। शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत पात्रा चाल घोटाले में इन दिनों आर्थर रोड जेल में बंद हैं।सूत्रों के अनुसार शिवसेना के एक नेता ने आर्थर रोड जेल प्रशासन से संपर्क कर जेलर के कक्ष में उद्धव ठाकरे की संजय राउत से 15 मिनट मुलाकात करवाने की अनुमति मांगी थी। लेकिन जेल प्रशासन ने इस मुलाकात की अनुमति देने से साफ इंकार कर दिया। संपर्क करनेवाले नेता से कहा गया कि उद्धव ठाकरे को संजय राउत से मुलाकात के लिए अदालत से अनुमति लानी होगी। उसके बाद भी जेलर के कक्ष में कतई मुलाकात नहीं हो सकेगी। सामान्य कैदियों की भांति जाली के पीछे से ही निर्धारित अवधि की मुलाकात की अनुमति दी जाएगी। जेल अधिकारियों के अनुसार अब तक उन्हें उद्धव ठाकरे की ओर से संजय राउत से मुलाकात के लिए कोई लिखित आवेदन नहीं मिला है। बता दें कि संजय राउत को गोरेगांव की पत्रा चाल घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक अगस्त को गिरफ्तार किया था। आठ अगस्त तक ईडी की हिरासत में रहने के बाद उन्हें 22 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। उसके बाद दो बार उनकी न्यायिक हिरासत बढ़ाई जा चुकी है। राउत ने आज फिर विशेष पीएमएलए अदालत में अपनी जमानत के लिए आवेदन किया है।

पंचतत्व में विलीन हुए साइरस मिस्त्री

मुंबईः टाटा संस के पूर्व चेयरमैन और उद्योगपति पलोनजी साइरस मिस्त्री का आज मंगलवार अंतिम संस्कार कर दिया गया। समाचार एजेंसी पीटीआइ के अनुसार रविवार को मुंबई के पास एक सड़क दुर्घटना में साइरस मिस्त्री (54) की मौत हो गई थी। उनका अंतिम संस्कार वर्ली श्मशान घाट में किया गया है। उनके परिजन सोमवार रात ही मुंबई पहुंच गए थे।गौरतलब है कि 2015 में वर्ली श्मशान घाट खोला गया था। तब से ही बड़ी संख्या में पारसी समुदाय के लोग यहां अपने दिवंगत परिजनों के शवों को गिद्धों को खिलाये जाने की बजाय अब उनका दाह संस्कार कर रहे हैं।जाने-माने व्यवसायी और उनके दोस्त जहांगीर पंडोले की भी इस हादसे में मौत हो गई, रविवार को सायरस मिस्त्री अपनी तेज रफ्तार मर्सिडीज कार से अहमदाबाद से मुंबई आ रहे थे। तभी पालघर जिले से सटे मुंबई अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर सूर्या नदी पर एक पुल पर बने डिवाइडर से टकरा गई थी।हादसा दोपहर 3 बजकर 15 मिनट पर हुआ था। हादसे के बाद मिस्त्री और जहांगीर पंडोल की मौके पर ही मौत हो गई थी। उनके शवों को यहां सरकारी जेजे अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया था। प्रख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ अनाहिता पंडोले और उनके पति डेरियस पंडोले, जो टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष साइरस मिस्त्री के साथ अपनी कार में यात्रा करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे, उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अनाहिता पंडोले की सर्जरी होगी, जबकि उनके पति को आईसीयू में भर्ती हैं।

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

सीवीसी की शिकायत

एक ऐसे समय जब केंद्र सरकार की विभिन्न एजेंसियां भ्रष्ट तत्वों के विरुद्ध अभियान छेड़े हुए हैं, तब केंद्रीय सतर्कता आयोग यानी सीवीसी की यह शिकायत चिंतित करने वाली है कि उसकी ओर से विभिन्न विभागों के 55 भ्रष्ट अधिकारियों को दंडित करने की जो सलाह दी गई थी, उस पर अमल करने में विलंब हो रहा है। इस मामले में कठघरे में खड़े किए गए संबंधित विभागों अथवा केंद्र और राज्य सरकारों को बिना किसी देरी के यह स्पष्ट करना चाहिए कि इन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने में क्यों विलंब किया जा रहा है ?इस विषय पर सरकारों को चेतना ही होगा, क्योंकि सीवीसी की शिकायत उनकी उस प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े करने वाली है, जिसके तहत बार-बार यह कहा जाता है कि भ्रष्टाचार को सहन नहीं किया जाएगा। सरकारों को यह देखना होगा कि कहीं ऐसा तो नहीं कि जिन अफसरों को भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करनी है, वही उन्हें बचा रहे हों? इस अंदेशे का कारण यह है कि अतीत में यह खूब देखने को मिलता रहा है कि अधिकारी आम तौर पर अपने भ्रष्ट सहयोगी-साथियों को बचाने का काम करते हैं। यदि यह स्थिति अभी भी है तो इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं हो सकता।जब कभी भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई में विलंब होता है तो ऐसे अफसरों और कर्मचारियों का दुस्साहस तो और अधिक बढ़ता ही है, इसके साथ ही यह आभास भी होता है कि केंद्रीय सतर्कता आयोग भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में समर्थ नहीं। सीवीसी की ओर से जारी वार्षिक रपट में कुछ ऐसे मामलों का भी जिक्र किया गया है, जिनमें आय से अधिक संपत्ति जुटाने के मामले में फंसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के स्थान पर उनके विरुद्ध चल रहे मामले को ही बंद कर दिया गया।यदि इस प्रश्न का उत्तर नहीं मिलता कि ऐसा किस आधार पर और क्यों किया गया तो इससे जनता को यही संदेश जाएगा कि भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने का काम किया जा रहा है। नीति और नैतिकता का यही तकाजा है कि जिन मामलों में सीवीसी की सिफारिश को नहीं माना गया, उनमें यह स्पष्ट किया जाए कि ऐसा क्यों नहीं किया गया? सीवीसी की रिपोर्ट यह भी कहती है कि भ्रष्टाचार के आरोपित छह सौ से अधिक अधिकारियों के विरुद्ध अभियोजन के कई मामले विभिन्न सरकारी विभागों की मंजूरी के लिए लंबित हैं। कुल लंबित मामलों में से कुछ ऐसे भी हैं, जिनमें भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे कई अधिकारियों के मामले तीन महीने से ज्यादा समय से अनिर्णीत हैं। यह इसलिए अस्वीकार्य और आश्चर्यजनक है, क्योंकि ऐसे मामलों पर निर्णय लेने की समय सीमा तीन माह ही होती है।

भाजपा और कांग्रेस के बीच है जो अंतर

साल 1967 में जाने-माने राजनीतिक विज्ञानी डब्ल्यू एच मॉरिस जोन्स भोपाल के कांग्रेस दफ्तर में यह शोध करने के लिए पहुंचे थे कि पार्टी आखिर इस कदर कैसे लोगों से जुड़ी हुई है? वहां काम में तल्लीन एक कर्मठ कार्यकर्ता ने कोई जवाब देने से इनकार करते हुए कहा कि वह काफी ह्यव्यस्तह्न हैं। जब मॉरिस जोन्स अपने सवाल पर अड़े रहे, तब उसने कहा, ह्यमैं पार्टी के लिए काम करता हूं और इसमें कोई भी दखल नहीं दे सकता। मॉरिस जोन्स ने बाद में लिखा कि इस मुलाकात ने उनकी आंखें खोल दीं। वह लिखते हैं, ह्यधूल धूसरित कांग्रेस ऑफिस में उनके (उस कार्यकर्ता के) जैसे कई कार्यकर्ता हैं, जो एक खास मकसद के लिए समर्पित हैं। पार्टी के ऐसे कार्यकर्ता महात्मा गांधी के उस आह्वान को जी रहे हैं, जिसमें उन्होंने सेवा करने की बात कही है। आज, ऐसे समर्पित कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी के दफ्तरों में देखे जा सकते हैं। उसकी तुलना में कांग्रेस में ऐसे कर्मठ सदस्यों को ढूंढ़ना अब ज्यादा कठिन है।

स्थिति यह है कि अगले महीने कांग्रेस पार्टी अपना नया अध्यक्ष चुनने जा रही है, पर कुछ असंतुष्ट नेताओं का विद्रोह और उनकी यह मांग सुर्खियों में है कि मतदाता सूची सार्वजनिक की जानी चाहिए। हालांकि, इन खबरों पर ध्यान न दें, तब भी 2014 के बाद नरेंद्र मोदी की नई भाजपा और नेहरू-गांधी परिवार की कांग्रेस में काडर-निर्माण और पार्टी ढांचे में काफी ज्यादा अंतर है। और ये ऐसे अंतर हैं, जिन पर कांग्रेस के अगले अध्यक्ष को संजीदगी से ध्यान देना चाहिए।

आजादी से पूर्व महात्मा गांधी, वल्लभभाई पटेल और जवाहरलाल नेहरू ने जिला-दर-जिला एक मजबूत जमीनी ढांचे के साथ कांग्रेस को खड़ा किया था। जमीनी कार्यकताओं का यह साथ कांग्रेस को तब भी मिला, जब साल 1969 में पार्टी में टूट हुई और के कामराज व मोरारजी देसाई जैसे मजबूत क्षत्रपों के बजाय जड़हीन नेतृत्व को तवज्जो देना शुरू किया गया। यहां तक कि 1990 के दशक में हिंदुत्व के उभार और मंडल पार्टियों के जन्म के वक्त भी प्रतिबद्ध कार्यकर्ता कांग्रेस में देखे जाते रहे, पर पिछले दो दशकों में जिला स्तरीय यह ढांचा कमोबेश खत्म हो गया है।

साल 2009 के आम चुनाव में 170 सीटों पर भाजपा उम्मीदवार अपनी जमानत नहीं बचा पाए थे, जबकि 71 सीटों पर कांग्रेस को यह गति देखनी पड़ी थी। मगर 2019 में सिर्फ 51 सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई, जबकि 148 सीटों पर कांग्रेसी प्रत्याशियों की। इसका अर्थ है कि महज एक दशक में देश के संसदीय मानचित्र के करीब एक तिहाई हिस्से में कांग्रेस चुनावी रूप से अप्रासंगिक हो गई थी। इसी तरह, 2014 और 2019 के बीच मोदी के नेतृत्व में भाजपा पांच गुना बढ़कर 17.4 करोड़ कार्यकताओं वाली पार्टी बन गई, जो संख्या-बल में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से करीब दोगुनी थी। मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने अपने अंदरूनी ढांचे में जो बदलाव किए, वे इस सोच से प्रेरित थे कि चुनाव तभी जीते जा सकते हैं, जब वोटिंग बूथ पर जीत मिलेगी। भारत में 10,35,000 मतदान केंद्र हैं। भाजपा का दावा है कि 2014 और 2019 के बीच उसने इनमें से 83 फीसदी बूथों पर समितियां गठित की हैं। यह न सिर्फ उसे जमीन पर मजबूत बनाता है, बल्कि उन समर्थकों को भाजपा के पक्ष में वोट देने के लिए उत्साहित करता है, जो किसी कारणवश उलझन में रहते हैं।

भाजपा ने प्रबंधन के मोर्चे पर मोबाइल फोन नंबर, वन-टाइम पासवर्ड और वाट्सएप्प के साथ नई तकनीक अपनाकर भी अहम बदलाव किए। कांग्रेस ने भी 1 नवंबर, 2021 से अपने डिजिटल सदस्यता अभियान की शुरूआत की, जिसके जरिये 2.6 करोड़ सदस्यों को जोड़ने का दावा किया गया।

काडर प्रबंधन के लिए उसने 2019 के चुनाव से पहले शक्ति एप का भी उपयोग किया, पर उसका यह प्रयोग विफल साबित हुआ। दरअसल, तकनीक अपने दम पर अकेले कुछ नहीं कर सकती। भाजपा के लिए तकनीक इसलिए सहायक साबित हुई, क्योंकि जमीनी स्तर पर पार्टी ने खुद को नए सिरे से तैयार किया और निगरानी तंत्र भी विकसित किए हैं।

भाजपा इसलिए भी बढ़ रही है, क्योंकि सत्ता ने उसे मध्य भारत में सक्रिय व जनाकांक्षा की पार्टी बना दिया है। जब उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जो कभी लोकसभा में बसपा के उप-नेता थे, 2017 में भाजपा में शामिल हुए, तब एक पत्रकार से उन्होंने कहा, ह्यएक नेता का औसत करियर 20 साल का होता है।

इससे ज्यादा तभी हो सकता है, जब आप किसी राजनीतिक परिवार से आते हैं। तब यह 30 साल तक हो सकता है। मैंने 10 साल बसपा को दिया है, अब शेष 10 साल भाजपा में काम करूंगा। कांग्रेस बेशक अच्छी पार्टी है, लेकिन इसमें शामिल होने का भला मतलब क्या है? ज्योतिरादित्य सिंधिया और आरपीएन सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं के अलावा, तीसरी और चौथी कतार के कई युवा कांग्रेसी नेता कुछ इसी तरह की सोच रखते हैं। आलम यह है कि गुजरात में कांग्रेस ने साल 2017 में भाजपा को कड़ी टक्कर दी, फिर भी उसकी राज्य इकाई को इस विधानसभा चुनाव के लिए मतदाताओं में अपनी पहचान बनाने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है। वहां कांग्रेस के कई जिलास्तरीय नेता भाजपा में शामिल हो गए हैं।

लक्ष्य के मामले में भी भाजपा और कांग्रेस के बीच एक बड़ा संरचनात्मक अंतर है। आप भाजपा के विचारों को पसंद करें या न करें, लेकिन उसकी वैचारिक स्थिति साफ है, जबकि कांग्रेस ने आजादी के बाद राष्ट्रवादी आंदोलन की विरासत को आगे बढ़ाया है।

आज बहुत से ऐसे लोग, जो भाजपा को वोट नहीं दे सकते, इस बात को लेकर उलझन में हैं कि भाजपा विरोध या मोदी विरोध के अलावा कांग्रेस चाहती क्या है? साल 2022 के उत्तर प्रदेश चुनाव में कांग्रेस के कई पोस्टरों में इंदिरा गांधी मौजूद थीं, तो राजस्थान सरकार के हालिया विज्ञापनों में राजीव गांधी प्रमुखता से दिखे हैं। एक बड़ी आबादी इन दोनों नेताओं की हत्या के बाद पैदा हुई है। 74 प्रतिशत भारतीय 40 साल से कम उम्र के हैं, तो आधे से अधिक तो 30 साल से कम उम्र के हैं। इस नए भारत से कांग्रेस आखिर किस तरह संवाद करेगी? यही चुनौती उसके अगले अध्यक्ष के सामने होगी।

गुजरात विधानसभा में इस बार कसौटी पर 'गुजरात', 'दिल्ली' और 'राजस्थान माडल'

अहमदाबादः गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी ने कमर कस ली है। इस बार चुनाव में गुजरात माडल), राजस्थान माडल व दिल्ली माडल की चर्चा शुरू हुई, जो अब आरोप-प्रत्यारोप तक पहुंच गई है। गुजरात चुनाव को इसलिए भी अहम माना जा रहा है, चूंकि प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी व केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गृह प्रदेश है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह जहां भाजपा के चुनाव प्रचार की कमान थामे हैं, वहीं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पार्टी प्रभारी रघु शर्मा कांग्रेस की नैया पार लगाने को जीजान से जुटे हैं।उधर, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक के बाद एक गारंटी देकर प्रदेश के लोगों को आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। आप पर देश में रेवड़ी कल्चर का आरोप लग रहा है। इसके बावजूद वह आए दिन नई गारंटी ला रहे हैं। आप शुरूआत से गुजरात में दिल्ली माडल व पंजाब माडल की चर्चा कर रहा है। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी व बिजली फ्री देने की बातें हैं। इससे आगे जाकर केजरीवाल महिलाओं को एक एक हजार रुपये व युवाओं को तीन हजार रुपये बेरोजगारी भत्ते की गारंटी भी दे चुके हैं।इसी बीच, राहुल गांधी (फॅंॅ' ॠंल्ल्र्ॉ) ने आठ वचनों के जरिए किसानों के कर्ज माफ, बिजली बिल माफी के साथ मुफ्त बिजली, बेरोजगारी भत्ता आदि का एलान कर दिया। कांग्रेस गुजरात में राजस्थान व छत्तीसगढ़ माडल की चर्चा कर रही है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता मनीष दोशी बताते हैं कि राजस्थान में कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम, 10 लाख रुपये तक का इलाज, दवा फ्री देने जैसी बातें हैं। वहीं, छत्तीसगढ़ में आदिवासी क्षेत्रों में बेहतर स्कूल आदि कांग्रेस के एजेंडे में शामिल है।

भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के नारे के भरोसे है। मुख्य प्रवक्ता यमल व्यास बताते हैं कि गुजरात में सबके लिए समान अवसर देना ही हमारा लक्ष्य है।

भाजपा मुफ्त देने की बात नहीं करेगी। गुजरात के लोग इस कल्चर में विश्वास भी नहीं करते हैं। गुजराती लेने में नहीं देने में विश्वास करता है। जिस वर्ग व समाज को जैसी जरूरत होती है, वैसी ही सुविधा भाजपा उपलब्ध कराती है। गुजरात मोदी व शाह का होम स्टेट है। ऐसे में भाजपा राज्य में अपनी सत्ता को बरकरार रखने की पुरजोर कोशिश कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल इस चुनाव में विधानसभा की सभी 182 सीट जीतने का दावा करते हैं। आम आदमी पार्टी के मैदान में आने से भाजपा की राह आसान हुई है।

राजनीति के जानकार ऐसा मानते हैं। चूंकि सरकार विरोधी मत कांग्रेस के बजाए आप के खाते में जाते हैं, तो सीधे सीधे मत विभाजन का लाभ भाजपा को होगा और वह आसानी से अपने लक्ष्य के करीब पहुंच सकती है। गुजरात कांग्रेस स्क्रीनिंग समिति के अध्यक्ष रमेश चेन्नीथला ने पार्टी के सभी 64 विधायकों को रिपीट करने की बात कही है। यानी कांग्रेस को अब विधानसभा की 182 में से 118 सीट के ही उम्मीदवार तय करने हैं। चेन्नीथला ने युवा व महिला उम्मीदवारों को अधिक मौके देने की बात कही है। राहुल गांधी के दौरे के बाद प्रभारी रघु शर्मा ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की एक रिव्यु बैठक बुलाई, जिसमें 33 जिलों के प्रभारियों से फीडबैक लिया गया। पार्टी 21 से 23 सितंबर को चुनाव समिति की बैठक में उम्मीदवारों से चर्चा करेगी।

पटना हाईकोर्ट के निर्देश पर बिहार पुलिस के चार इंस्पेक्टर सस्पेंड, नालंदा में अतिक्रमण नहीं हटाने का खामियाजा

बिहारशरीफ। पटना हाईकोर्ट के निर्देश के बाद नालंदा के एसपी अशोक मिश्रा ने वरीय पदाधिकारी के आदेश पर नालंदा जिले के चार पुलिस इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया है। निलंबित होने वाले पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार निवर्तमान बिहार थानाध्यक्ष, बिहार थानाध्यक्ष में पदस्थापित निवर्तमान दीपक कुमार वर्तमान में राजगीर थानाध्यक्ष, बिहार थाना में पदस्थापित निवर्तमान थानाध्यक्ष अशोक कुमार व केशव मजूमदार शामिल हैं। जानकारी के अनुसार इन सभी के खिलाफ कार्रवाई के लिए पटना हाई कोर्ट ने आदेश दिया है। बिहार थाना क्षेत्र के पतुआना गांव के पास एक जमीन को कोर्ट के आदेश पर अतिक्रमण हटाने का आदेश जारी किया गया था। इस मामले में उक्त चारों इंस्पेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका दी गई थी। लेकिन इन लोगों ने अतिक्रमण हटाने के नाम पर खानापूरी कर कार्रवाई पूर्ण करने की रिपोर्ट दे दी थी। इसके बाद जमीन मालिक ने इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दिया। इसके बाद कोर्ट ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिदेशक को तत्काल उक्त चारों पुलिस पदाधिकारी को निलंबित करने का आदेश जारी किया था। यह आदेश पांच सितम्बर को जारी होने के बाद पुलिस के वरीय पदाधिकारी के आदेश पर कार्रवाई की गई।

जागरण संवाददाता, बिहारशरीफ। रहुई थाना क्षेत्र के रामपुर इंदवास गांव के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। मृतका हरनौत प्रखंड के गोकुलपुर ओपी क्षेत्र के तिसकुरबा बोधनागर निवासी सत्येंद्र चौधरी की 46 वर्षीया पत्नी उषा देवी है।

पुत्र अखिलेश कुमार ने बताया कि सोमवार को उसकी मां मौसी के यहां सुल्तानपुर आयी थी। रास्ते में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गयी। जख्मी हालत में स्थानीय पुलिस ने उसे इलाज के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए विम्स, पावापुरी रेफर कर दिया गया। यहां पर इलाज के दौरान रात में ही उसकी मौत हो गयी। महिला के पास से मिले आधार कार्ड से स्वजन को इसकी सूचना दी गई।

उपेंद्र कुशवाहा ने केंद्रीय गृह मंत्री से पूछा, अमित शाह जी आखिर मामला क्या है? सवाल तो उठता है

पटनाः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं के तेवर गर्म रहते हैं।अब संघ मुख्यालय की सुरक्षा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (उकरत्रः) को सौंपे जाने पर सियासत शुरू हो गई है।

जदयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने इसको लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष किया है। मंगलावर को उन्होंने गृह मंत्री को संबोधित ट्वीट कर सवाल पूछा है। अपने ट्वीट में कुशवाहा ने पूछा है कि आखिर मामला क्या है? आरएसएस कार्यालय की सुरक्षा राज्य सुरक्षा बल से लेकर सीआइएसएफ के जिम्मे दे रहे हैं और हवाईअड्डों की सुरक्षा सीआइएसएफ से छीनकर प्राइवेट कंपनी को यानी अडानी के हाथ में दे रहे हैं। दूसरे ट्वीट में उन्होंने पूछा है कि क्या आम नागरिकों और देश की आंतरिक सुरक्षा से ज्यादा अहम आपके आरएसएस कार्यालयों की सुरक्षा है।

क्या अपने दोस्त अडानी जी के निजी लाभ के लिए हवाई अड्डों की सुरक्षा को खतरे में डालने से भी परहेज नहीं है। क्या आपको अपनी स्थानीय सरकार पर भी भरोसा नहीं है। आखिर महाराष्ट्र में तो आपकी ही सरकार है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी पूछा है कि क्या निजी हाथों में सुरक्षा सौंपना एससी, एसटी, ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर अगड़ी जातियों (एहर) को उनके आरक्षण से वंजित करने की साजिश है। बता दें कि एनडीए से अलग होने के बाद से जदयू और भाजपा नेताओं के बीच सियासी घमासान मचा है। एक-दूसरे पर जमकर आरोप-प्रत्यारोप किए जा रहे हैं। उनका आरोप है कि देश में कोई काम नहीं हो रहा।

कविता

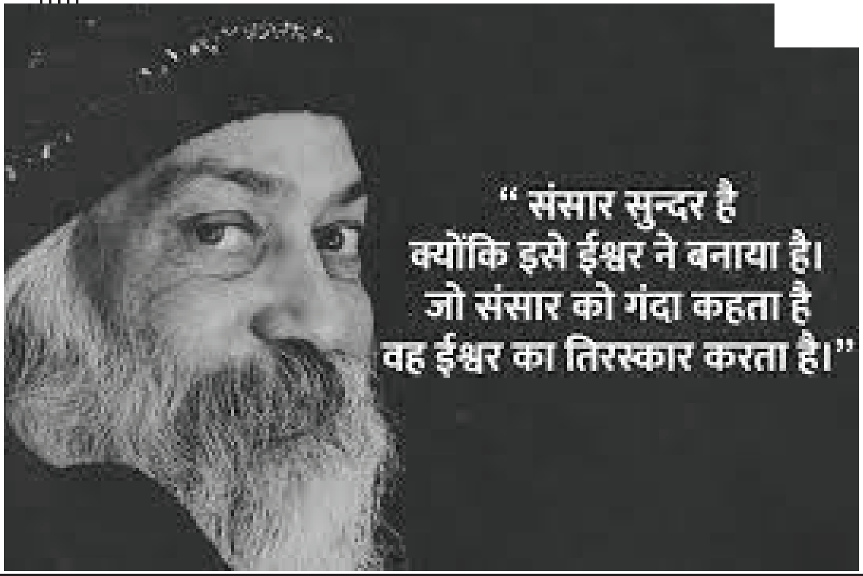

कहै कबीर दीवाना-ओशो

जैसे हृदय में कांटा लगा हो। एक मीठी पीड़ा जो घेर लेती है; जिससे बाहर होने का कोई उपाय नहीं सूझता। क्या करे विरह का मारा हुआ? रोता है, गाता है। उसके रोने में तुम गीत पाओगे, उसके गीत में तुम रोना पाओगे। हंसता है, उसके हंसने में तुम आंसू पाओगे। आंसू टपकते हैं। उसके आंसू में तुम मुस्कुराहट पाओगे।

क्योंकि एक तरह से तो वह बड़ा प्रसन्न है कि विरह पैदा हो गया। क्योंकि आधा मिलन हो गया। विरह यानी आधा मिलन। सौभाग्य है कि विरह जग गया। कम से कम यात्रा शुरू तो हो गई। राह पर तो आ गए। मंदिर कितनी ही दूर हो, लेकिन शिखर दिखाई पड़ने लगा। अभी मंदिर की प्रतिमा नहीं दिखी, लेकिन आकाश में चमकता हुआ स्वर्ण शिखर दिखाई पड़ने लगा। आशा बंधती है, भरोसा आता है। भक्त दौड़ने लगता है।

बिरह सतावै मोहि को, जिव तड़फे मेरा। **जारी...**

सरसों के तेल से करें पैरों की मालिश, मिलेंगे 5 जबरदस्त फायदे

सरसों के तेल का सेवन ही सेहत के लिए फायदेमंद नहीं होता है, बल्कि शरीर पर लगाना बहुत फायदेमंद होता है। सरसों का तेल हेल्दी फैट्स जैसे मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड, पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड, ओमेगा-3, 6 से भरपूर होता है। साथ ही इसमें एंटी इन्फ्लेमेटरी, एंटी बैक्टीरियल, एंटीफंगल गुण भी मौजूद होते हैं, जिससे यह सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है।जब भी शरीर में जकड़न, दर्द या मांसपेशियों में ऐंठन की समस्या होती है, तो इस समस्याओं में शरीर की सरसों के तेल से मालिश करने से बहुत आराम मिलता है। इससे मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूती मिलती है, साथ ही शरीर में ब्लड सकुर्लेशन को बेहतर बनाने में भी मदद मिलती है। इसके अलावा त्वचा और बालों की कई समस्याओं को दूर करने में भी यह बहुत लाभकारी है।सरसों के तेल का सेवन और शरीर की मालिश करने फायदे तो आपने बहुत सुने होंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं पैरों में सरसों का तेल लगाने या सरसों के तेल से पैरों की मालिश करने से भी अद्भुत फायदे मिलते हैं? जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा! इस लेख में हम आपको पैरों में सरसों का तेल लगाने के 5 फायदे (स्त्रं१ह्व अगर आप रात में सरसों के तेल से पैरों और पैर के तलवों में सरसों का तेल लगाकर 5-10 मिनट मालिश करते हैं, तो इससे थकान दूर होती है। साथ ही मस्तिष्क को आराम मिलता है। इससे अनिद्रा जैसी समस्याएं दूर होती हैं और एक अच्छी-गहरी नींद लेने में मदद मिलती है।

2. चिंता और तनाव को करे दूरमस्तिष्क को शांत करने और तनाव, चिंता, अवसाद जैसी समस्याओं से राहत प्रदान करने में सरसों के तेल से पैरों की मालिश करने से बहुत फायदा मिलता है। खासकर जब आप सरसों के तेल से पैर के तलवों को रगड़कर कर मालिश करते हैं।आपके शरीर के सभी अंगों तक पोषक तत्वों को पहुंचाने के लिए ब्लड सकुर्लेशन का बेहतर होना जरूरी है। सरसों के तेल से मालिश करने ब्लड सकुर्लेशन के साथ ही ब्लड फ्लो भी अच्छी हो जाता है। सिर्फ इतना ही नहीं, इससे दबी नसें और ब्लॉकिज को खोलने में भी मदद मिलती है। जिससे नसों में दर्द की समस्या दूर होती है। बहुत से लोग जब पूरा दिन की भागदौड़ के बाद घर लौटते हैं, तो पैरों में दर्द और बेचैनी की समस्या होती है। ऐसे में सरसों के तेल से पैरों की मालिश करने से पैरों की बेचैनी और दर्द से आराम मिलता है। सरसों के तेल से मालिश करने से करने टखने, एड़ी और जोड़ों की हड्डियों को मजबूती मिलती है। साथ ही उनमें जकड़न और सूजन की समस्या भी दूर होती है। यह आपके पैरों को मजबूत बनाने में भी मदद करता है।

ड्रैगन से ब्रह्मास्त्र कैसे बनी रणबीर कपूर की फिल्म? इस वजह से बदल डाला एक्टर का पूरा लुक

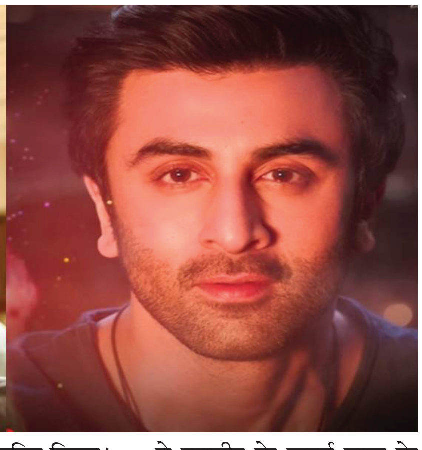

' दिल्ली: रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की मोस्ट अवेटेड फिल्म ह्यब्रह्मास्त्रह्ल 9 सितंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। रणबीर और आलिया स्टारर फिल्म ह्यब्रह्मास्त्रह्ल को बनाने में एक अच्छा खासा समय गया है। लगभग 300 करोड़ के बिग बजट में बनी ह्यब्रह्मास्त्रह्ल की शूटिंग साल 2017 में शुरू हुई थी। आपको बता दें कि फिल्म का पहले टाइटल कुछ और था, इतना ही नहीं फिल्म में शिवा का किरदार निभा रहे रणबीर कपूर के लुक से लेकर उनके नाम तक में काफी बदलाव किए गए है। इस बात का खुलासा अयान मुखर्जी ने खुद अपने एक पोस्ट के जरिए किया। फिल्म के टाइटल से लेकर नाम और रणबीर के लुक में हुए ये बदलाव अयान मुखर्जी ने रणबीर के फर्स्ट लुक के साथ 10 मार्च 2019 को एक पोस्ट शेयर किया था। उनका ये पोस्ट अब तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। रणबीर के पुराने लुक को शेयर करते हुए अयान मुखर्जी ने फिल्म के ह्यड्रैगनह्ल से ह्यब्रह्मास्त्र बनने तक की जर्नी शेयर की। साल 2019 में अयान मुखर्जी ने जो तस्वीर शेयर की, उसमें रणबीर कपूर बड़े बालों के साथ है और उनका लुक बिलकुल ही अलग लग रहा है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए अयान मुखर्जी ने लिखा, ह्यपहले ये रूमी था, जिसके लम्बे बाल थे। यह तस्वीर फिल्म के शुरूआती लुक टेस्ट की है। अयान मुखर्जी ने आगे लिखा, ह्यप्यार आपके और अन्य चीजों के बीच का ब्रिज है और फीलिंग उसकी नींव है। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने फिल्म के हीरो के लुक को पूरा तैयार करना शुरू किया। लेकिन फिर नई प्रेरणा और नए विचार हमारे दिमाग में आए और ड्रैगन से ब्रह्मास्त्र बन गई। हमने रणबीर कपूर को नया हेयरकट दिया और रणबीर शिवा बन गयाह्ल। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की ब्रह्मास्त्र को सोशल मीडिया पर लगातार बायकॉट करने का ट्रेंड चल रहा है।

आखिरी ओवर में नसीम शाह ने दिला दी गली क्रिकेट की याद, क्या है बैट का कनेक्शन

नई दिल्ली। एशिया कप के सुपर-4 राउंड (अ१ उ४स्र 2022) में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 1 रन से हरा दिया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह (ठंशी रैं) ने आखिरी ओवर में दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिला दी। हालांकि, अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 130 रन का लक्ष्य पाकिस्तान को दिया था।

इसके बावजूद यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा। मैच के अंतिम ओवर में पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद हसनैन और नसीम शाह बल्लेबाजी करने के लिए क्रीज पर मौजूद थे। 20वें ओवर की शुरूआती दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर नसीम शाह ने अफगानिस्तान को हरा दिया। मैच खत्म होने के बाद नसीम शाह ने बताया कि उन्होंने अपने साथी बल्लेबाज मोहम्मद हसनैन के बल्ले से दो छक्के लगाए। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ढउइ) द्वारा अपलोड किए गए वीडियो में नसीम ने एक मजेदार जानकारी दी। नसीम ने बताया कि दो छक्के उन्होंने साथी बल्लेबाज मोहम्मद हसनैन के बैट से लगाए थे।

नसीम ने बताया, ह्यमैंने हसनैन से कहा कि मुझे अपना बैट दे दो क्योंकि मेरा बैट उतना अच्छा नहीं है।

जब नसीम यह बात बता रहे थे तभी अचानक हसनैन भी वहां पर पहुंच गए। हैसनैन ने कहा, ह्यनसीम ने मेरा बल्ला मांगा और मैने दे दिया,मैंने कहा कि अगर तुमने सिंगल लिया तो फिर बैट मुझे खेलने के लिए वापस दे देना।

गौरतलब है कि ऐसी घटना गली क्रिकेट के दौरान घटती है लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में कभी-कभी ही बल्लेबाज, साथी खिलाड़ी के बैट से बैटिंग करते हैं। नसीम ने आगे बताया कि उन्हें विश्वास था कि वह मैच जीत सकते हैं। नसीम ने आगे कहा, ह्यमुझे यकीन था कि मैं यह कर सकता हूं। मुझे पता था कि गेंदबाज मुझे यॉर्कर डालने की कोशिश करेगा और मैं तैयार था।

मुझे अपनी बल्लेबाजी पर पूरा भरोसा था क्योंकिमैंने नेट्स पर काफी बैटिंग की थी। उन्होंने आगे कहा, ह्यजब मैं बैटिंग करने गया तो मैं आसिफ भाई (आसिफ अली) को सिंगल देना चाहता था। हालांकि, यह मैच मैंनें ही खत्म कर दिया।

वहीं, इस मैच के बाद अफगानिस्तान टीम के कप्तान मोहम्मद नबी ने कहा कि उन्होंने आखिरी ओवर में फजलहक फारूकी को बताया था कि वो यॉर्कर या धीमी बाउंसर ही फेंके। उन्होंने यॉर्कर गेंदबाजी करना सही समझा लेकिन वो गेंद सही ठिकाने पर नहीं डाल सके।

ऑस्ट्रेलिया से लगातार दो वनडे हारने के बाद आईसीसी ODI रैंकिंग में न्यूजीलैंड ने खोया पहला नंबर का स्थान

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए तीन मौचों की वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया टीम लगातार दो मैच जीत चुकी है। दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 195/9 पर रोक दिया। जवाब में न्यूजीलैंड टीम महज 82 रन पर ही ऑल आउट हो गई। गेंदबाजी के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी मिचेल स्टार्क और सीन एबॉट ने न्यूजीलैंड को शुरुआती झटका दिया। एडम जम्पा ने न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन और डेरिल मिशेल का विकेट लिया। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 113 रन से जीत लिया। वहीं, पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया टीम एक समय 12 ओवर में 44 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद संघर्ष कर रही थी। इसके बाद छठे विकेट के लिए कैमरन ग्रीन और एलेक्स कैरी ने 158 रन की साझेदारी की। ग्रीन ने नाबाद 89 और कैरी ने 85 रन बनाए जिसकी बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहला वनडे मैच जीत लिया। दो मैचों में हार के बाद न्यूजीलैंड टीम आईसीसी मेन्स वनडे टीम रैंकिंग में दूसरे नंबर पर आ चुकी है। वहीं, 119 अंकों के साथ इंग्लैंड टीम पहले नंबर पर पहुंच चुकी है।

कोहली ने तोड़ा गप्टिल का रिकॉर्ड, T20क में रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंचे

नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने एशिया कप 2022 के सुपर 4 मुकाबले में अफगानिस्तान के खिलाफ अपनी पारी के दौरान मार्टिन गप्टिल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। विराट कोहली अब टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। कोहली के दूसरे नंबर पर आते ही न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल अब तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं।अफगानिस्तान के खिलाफ इस मैच में रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में केएल राहुल ने टीम की कप्तानी की और उनके साथ ओपनिंग के लिए विराट कोहली आए। दोनों खिलाड़ियों ने पहले विकेट के लिए 119 रन की शतकीय साझेदारी की और इसके बाद केएल राहुल 62 रन बनाकर आउट हो गए। विराट कोहली ने खबर लिखे जाने तक अफगानिस्तान के खिलाफ 61 गेंदों पर नाबाद 122 रन बनाए और इस दौरान वो टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए। वहीं रोहित शर्मा इस वक्त टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं जबकि मार्टिन गप्टिल अब तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में विराट कोहली के 3500 रन पूरे हो गए। अब वो दुनिया के दूसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए जिन्होंने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 3500 रन पूरे कर लिए।

इससे पहले रोहित शर्मा ने ये कमाल किया था।

विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 100 छक्के भी पूरे कर लिए। विराट कोहली रोहित शर्मा के बाद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत की तरफ से 100 छक्के पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज बने।

याकूब मेमन की कब्र को लेकर विवाद के बाद मुंबई पुलिस ने हटाई एलईडी लाइट्स

मुंबईः महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में 1993 के मुंबई बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन की कब्र को लेकर विवाद के बीच भारतीय जनता पार्टी ने वीरवार को शिवसेना उद्धव गुट पर जमकर निशाना साधा है। इस बीच, मुंबई पुलिस ने याकूब मेमन की कब्र से एलईडी लाइटें हटा दी हैं। भाजपा ने दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के कार्यकाल के दौरान मेमन की कब्र को सजा दिया गया, इस पर उनसे माफी मांगने की मांग की। हालांकि, शिवसेना नेताओं ने कहा कि पार्टी और पिछली महा विकास आघाड़ी (टश्अ) सरकार का

इससे कोई लेना-देना नहीं है और इसे अनावश्यक रूप से इस मुद्दे में घसीटा जा रहा है। याकूब का पूरा नाम याकूब अब्दुल रज्जाक मेमन था। कौन था याकूब मेमन? सात साल पहले इसे किस जुर्म में दी गई थी फांसी? कब्र को पुलिस ने मेमन याकूब मेमन की कब्र को लेकर विवाद शुरू होते ही मुंबई पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने याकूब मेमन की कब्र के चारों ओर एलईडी लाइटें हटा दीं हैं। याकूब को 2015 में नागपुर जेल में फांसी दी गई थी और दक्षिण मुंबई के बड़ा कब्रिस्तान में दफनाया गया था।

एक अधिकारी ने कहा कि डीसीपी स्तर का एक पुलिस अधिकारी इस बात की जांच करेगा कि कैसे एलईडी लाइट और संगमरमर की टाइलें कब्र को ह्लसजानेह्व के लिए आईं। महाराष्ट्र भाजपा के कुछ नेताओं ने ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना पर निशाना साधा। राज्य भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि ठाकरे को 250 लोगों की हत्या के लिए जिम्मेदार व्यक्ति की कब्र सजाने के प्रयास के लिए मुंबई और महाराष्ट्र के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। भाजपा के एक स्थानीय नेता ने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भी इस मुद्दे पर माफी मांगनी चाहिए। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि बड़ी रात (शब-ए-बारात) के अवसर पर बड़ा कब्रिस्तान में हलोजन लाइटें लगाई गई थीं और कब्रिस्तान के ट्रस्टियों ने उन्हें हटा दिया है। मेमन की कब्र के चारों ओर संगमरमर की टाइलें तीन साल पहले लगाई गई थीं। उन्होंने कहा कि इस जगह पर 13 अन्य कब्रें हैं।

URGENTLY REQUIRED FEMALE STAFF

VACANCY VACANCY

ICON OPTICAL GALLERY

Urgently Required Female Staff Accountant Cum Sales Girl For Counter Sell.

Note : Must Have Computer Operating Knowledge

Contact Us : 9819292152

Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

murtaza12152@yahoo.com

TASNEEM COLLECTION

Online Shopping Hub

Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories

Kitchen & Household items

Baby products

Plastic items

And much more......all under one roof

Best business apportunity for housewives
to become reseller & earn at zero investment

Farida Rampurawala : 8898065152

RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997

T.C. NO. MAHHIN10172 ईमेल: newsicon2021@gmail.com newsicon.net